दिनाक 12.07.2017 को जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पर्यावरण समाधात निर्धारण प्राधिकरण (DEIAA) की बैठक का कार्यवृत्त ।

उपस्थितिः—

1— श्री आर0सी0शर्मा,प्रभागीय वनाधिकारी,बागेश्वर।
2— श्री राहुल कुमार गोयल,अपर जिलाधिकारी,बागेश्वर।
3— श्री श्याम सिंह राणा,उपजिलाधिकारी,बागेश्वर।
4— श्री वाई0के0शर्मा,प्रबंध निदेशक,अल्मोड़ा मैग्नेसाईट लि0,अल्मोड़ा।
5— श्री चन्दन सिंह बनकोटी,प्रशासनिक अधिकारी,जिला कार्यालय,बागेश्वर।

कार्यवाही

सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदया द्वारा जनपद की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डी0एस0आर0) का अवलोकन किया गया। अध्यक्ष महोदया द्वारा जिला स्तरीय विशेषज्ञ आंक्कलन समिति (DEAC)द्वारा प्राप्त चार आवेदन पत्रों पर निर्गत पर्यावरणीय प्रमाण पत्र (E.C.)पर चर्चा की गयी। चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदया के संज्ञान में यह लाया गया है जिला स्तरीय विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं की परिधि से 500 मीटर के तहत कवर क्षेत्र में अन्य मौजूदा सोप स्टोन खदानों के साथ संबंधित परियोजनाओं को दिखाये जाने वाला समग्र मानचित्र तैयार करेगी। साथ ही अन्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समस्याओं के संबंध में उक्त समिति द्वारा मानचित्र पर भी चिहित किया जाना चाहिये। समिति के सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदया से यह भी अनुरोध किया गया कि जिला स्तरीय विशेषज्ञ समिति अधिसूचना दिनांक 15 जनवरी,2016 में दिये गये प्राविधानों के अनुसार प्रत्येक प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र के स्थलीय निरीक्षण की पुष्टि भी करेगी।अध्यक्ष महोदया द्वारा बैठक के समय जिला स्तरीय विशेषज्ञ आंक्कलन समिति (DEAC)द्वारा प्राप्त चार आवेदन पत्रों पर निर्गत पर्यावरणीय प्रमाण पत्र (E.C.) के संबंध में जिन बिन्दुओं पर उनके स्तर पर कार्यवाही की जानी अपेक्षित है,की प्रति अनुपालनार्थ सदस्य सचिव जिला स्तरीय विशेषज्ञ आंक्कलन समिति (DEAC)को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये।

इसी कम में जिला स्तरीय विशेषज्ञ समिति के सदस्य सचिव को सोप स्टोन खनन से संबंधित मा0 न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों एंव राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (N.G.T) में चल रहे प्रकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक क्षेत्र की अधिकतम उत्पादन स्तर की गणना का भी आंक्कलन किये जाने के निर्देश दिये गये। अध्यक्ष महोदया द्वारा प्रस्तावित एंव मौजूदा परियोजनाओं के कारण जैव विविधता के नुकसान के संबंध में भी राज्य जैव विविधता बोर्ड से अनुरोध किये जाने हेतु सदस्य सचिव,जिला स्तरीय विशेषज्ञ समिति को बैठक के समय निर्देश दिये गये।

अध्यक्ष महोदया द्वारा बैठक में जनपद में स्वीकृत सोप स्टोन खदानों के डिजिटाईलेशन के संबंध भी चर्चा की गयी। चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदया द्वारा जनपद हरिद्वार की भॉति जनपद,बागेश्वर की स्वीकृत सोप स्टोन खदानों को डिजिटलाईज्ड किये जाने के संबंध में भू—वैज्ञानिक/खान अधिकारी, जनपद बागेश्वर से अपना सुझाव/मन्तव्य दिये जाने के लिये आगामी बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये।

—2—

अध्यक्ष महोदया द्वारा उपग्रह से प्राप्त मानचित्र (SATELLITE IMAGERY) प्राप्त होने के पश्चात् ही जनपद की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट(डी0एस0आर0) को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। संबंधित मानचित्र को प्राप्त किये जाने के संबंध में संबंधित सहायक को पुनः अनुस्मारक पत्र निर्गत किये जाने के निर्देश देते हुए अगली बैठक माह अगस्त,2017 के प्रथम सप्ताह में आयोजित किये जाने के निर्देश बैठक में दिये गये।

अंत में अध्यक्ष महोदया द्वारा बैठक में सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक की कार्यवाही सम्पन्न की गयी।

अनुमोदित

14/07/17.

अध्यक्ष / जिलाधिकारी,
जिला स्तरीय पर्यावरण
समाघात निर्धारण,प्राधिकरण,
(DIEAA),बागेश्वर।

14.7.17

सचिव,
जिला स्तरीय पर्यावरण
समाघात निर्धारण, प्राधिकरण
(DIEAA),बागेश्वर।

कार्यालय जिलाधिकारी,बागेश्वर।

संख्या – 249 /छब्बीस–04 वन / 2016–17 दिनांक 14/ 7/ 2017

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– उपस्थित सभी सदस्यगण / अधिकारीगण।
2– भू–वैज्ञानिक / खान अधिकारी,जनपद बागेश्वर।
3– कार्यालय प्रति।

14.7.17

सचिव,
जिला स्तरीय पर्यावरण
समाघात निर्धारण,प्राधिकरण,।
(DIEAA),बागेश्वर।

All the four projects were discussed on dated 12-07-2017 for the grant of E.C., as recommended by the DEAC and this was decided that:-

A. The DEAC will prepare a composite Map showing the respective project alongwith other Existing Soap stone mines in the area covered under 500 m. from the periphery of the proposed projects.
B. Apart from the other important Environmental concerned should also be marked on the Map by the DEAC.
C. The DEAC. will confirm the site visit of each proposed projects as per the provision made under the notification dated 15 January ,2016 .
D. In view of the recent litigations related to soap stone mining the Member Secretary, DEAC should calculate the maximum production level of each project vis-à-vis other existing mines in the same area to avoid over exploitation of mineral which may adversely affect the dynamics of the area.
E. DEAC will request the State Bio diversity board regarding assessment of losses of bio diversity due to the proposed as well as existing projects.
F. To obtain satellite imagery a request to USAC, Dehradun will be made and a Geo reference map of the area /District showing existing mining leases as well as the proposed project of soap stone mining will be prepared accordingly.

Compliance of the above will be appraised during the next meeting of the DEIAA.

12.7.17

M.D.,AML S.D.M.Bgr D.F.O.Bgr D.M.